रेल मंत्रालय में उप मंत्री (श्री अजय सिंह) : (क) जी नहीं।

(ख) से (घ) प्रश्न नहीं उठता।

शहरों में जल-निकासी की भूमिगत व्यवस्था के लिए राज्यों को सहायता

*347. श्री द्योत जोगी :
श्री शिव प्रताप मिश्र :

क्या शहरी विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार राज्य सरकारों को शहरों में जल निकासी की भूमिगत व्यवस्था के लिए बनाई गई योजनाओं के लिए कोई सहायता प्रदान करती है;

(ख) यदि हां, तो अब तक दी गई सहायता राशि का राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या मध्य प्रदेश के कुछ शहरों के लिए इस प्रकार की सहायता हेतु मांग की गई थी और यदि हां, तो क्या सरकार ने उसकी मंजूरी दे दी है; और

(घ) क्या सरकार ने इस बात का पता लगाने के लिए अब तक कोई अध्ययन किया है कि महामारी और अन्य संक्रामक रोगों के फैलने के लिए दोषपूर्ण जल-निकासी व्यवस्था किस हद तक जिम्मेदार है?

शहरी विकास मंत्री (श्री मुरासोली मारत) : (क) जी, नहीं।

(ख) प्रश्न नहीं उठता।

(ग) जी, नहीं।

(घ) जी, नहीं।

दालों के संबंध में प्रौद्योगिकी मिशन

*348. सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने प्रौद्योगिकी मिशन के कार्य क्षेत्र में दालों के उत्पादन को भी शामिल करने का निर्णय किया है;

(ख) यदि हां, तो क्या प्रौद्योगिकी मिशन ने दालों के उत्पादन को प्रोत्साहन देने के लिए कोई ठोस कार्यक्रम तैयार किया है और इस संबंध में कोई लक्ष्य निर्धारित किये हैं;

(ग) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है; और

(घ) यदि इस दिशा में अब तक कोई निर्णय नहीं किया गया है तो इसके क्या कारण हैं?

उप प्रधान मंत्री और कृषि मंत्री (श्री देवी लाल) : (क) से (घ) जी, हां। सरकार का तिलहनों संबंधी टैक्नोलाजी मिशन के कार्यक्षेत्र का विस्तार करने का प्रस्ताव है, ताकि दालों के उत्पादन को इसके अंतर्गत लाया जा सके।

तिलहनों संबंधी टेकनोलाजी मिशन ने दालों के विकास के बारे में एक प्रस्ताव तैयार किया है जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ, आठवीं योजना के दौरान मूल्य प्रोत्साहन, टेकनोलोजी और आदान सेवाओं के साथ उत्पादन को बढ़ावा देने का कार्यक्रम सुझाया गया है। इस पर अन्तर-मंत्रालयी स्तर पर विचार किया जा रहा है जिसके बाद राज्य सरकारों के साथ परामर्श करके इस कार्यक्रम को अन्तिम रूप दिया जाएगा।

Study on brutality on ' Child Labour

*349. SHRI SURESH PACHOURI :
SHRI MURLIDHAR CHANDRAKANT BHANDARE :

Will the Minister of LABOUR be pleased to state :

(a) whether . Government's attention has been drawn to the news

report which appeared in the Hindustan Times of May 8, 1990 under the caption "Concern at brutality on child workers", referring to a study conducted by the Centre of Concern for Child Labour and an action-plan to ameliorate the condition of child labour ;

(b) if so, what are the main findings thereof and the details of the action-plan suggested ; and

(c) what is Government's reaction thereto ?

THE MINISTER OF LABOUR AND WELFARE (SHRI RAM VILAS PASWAN) : (a) to (c) The news item entitled "Concern at brutality on child workers' is reportedly based on a study conducted by a Delhi-based non-Governmental organisation. This study refers to some instances of violence againt domestic child workers. The study has suggested the following actions in the long-term perspective :—

(i) Government should conduct a datailed study through the Ministry of Home Affairs to take stock of the situation of domestic child servants in four metropolitan cities— Delhi, Madras, Bombay and and Calcutta.

(ii) The primary administrative responsibility for dialing with the problems should lie with the Department of Social Welfare and municipalities.

(Hi) The Government should take steps to create a legal framework within which voluntary organiations can collect and disseminate infromation regarding domestic child servants.

(iv) The Government should create an umbrella agency at the Centre level which will function as a focal point for all matters relating to domestic children. This agency should provide them with a right to redressal against police, employers and others in authority. This agency could also actas an independant monitoring body for safeguarding children's rights.

(v) Research on the nature and prevention of domestic child servants ; the long term effect of such work and local causes and consequences of the problem.

(vi) Radio and Television and print media can play an important role in educating the general public about problems and exploitation of domestic child servants.

Delhi Administration have been asked to look into the specific cases referred to in the report. The suggestions are also being shared with others concerned for section as appropriate.

Exploitation of Labourers who migrated from Andhra Pradesh

*350. SHRI CHATURANAN MISHRA : Will the Minister of LABOUR be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the write-up on the miseries of A.P. migrant labour in Maharashtra, as reported in the Indian Express, dated the 6th May, 1990; and

(b) if so, whether Government have any plan to end exploitation and to provide various amenities and insurance cover for such labour ?

THE MINISTER OF LABOUR AND WELFARE (SHRI RAM VILAS PASWAN) ; (a) and (b) The